पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने पत्रिका हिन्दी विवेक के गंगा विशेषांक का लोकार्पण किया

लखनऊः 2 सितम्बर, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में आयोजित एक समारोह में मुंबई से प्रकाशित पत्रिका 'हिन्दी विवेक' के गंगा विशेषांक का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल की पत्नी श्रीमती कुंदा नाईक, पूर्व मंत्री एवं विख्यात स्तम्भकार श्री हृदयनारायण दीक्षित, श्री वीरेन्द्र याज्ञनिक, पत्रिका के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री अमोल पेडणेकर, कार्यकारी सम्पादक श्रीमती पल्लवी अनवेकर व अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने लोकार्पण के बाद अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी प्राथमिकताओं में अविरल, निर्मल गंगा का संकल्प लेते हुए नमामि गंगे परियोजना का शुभारम्भ किया है। गंगा नदीं में अनेकों नाली-नाले एवं गंदगी प्रवाहित हो रही हैं जिसके कारण नदी में प्रदूषण बढ़ रहा है। पवित्र मानी जाने वाली गंगा को स्वच्छ बनाने का संकल्प लेने की जरूरत है। गंगा को पवित्र और अविरल बनाये रखने के लिए सामाजिक जागृति जरूरी है। उन्होंने कहा कि गंगा को स्वच्छ बनाने के लिए केवल चिन्ता नहीं कुछ करने की जरूरत है।

श्री नाईक ने कहा कि पत्रिका 'हिन्दी विवेक' के गंगा विशेषांक का लखनऊ में लोकार्पण होना पत्रकारिता में एक ऐतिहासिक कदम है। लखनऊ में इस विशेषांक का लोकार्पण विशेष महत्व रखता है। पत्रिका में काम करने वालों की मातृभाषा मराठी है मगर वे हिन्दी में काम कर रहे हैं। इस लोकार्पण से उत्तर प्रदेश में मराठी और हिन्दी का एक नया रिश्ता बना है। उन्होंने कहा कि राजभवन में अनेक प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं लेकिन गंगा विशेषांक का लोकार्पण अपने आप में विशेष है।

वरिष्ठ स्तम्भकार श्री हृदयनारायण दीक्षित ने कहा कि गंगा विशेषांक के साथ-साथ 'हिन्दी विवेक' स्वागतयोग्य है। उन्होंने गंगा के आध्यात्मिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक पहलुओं पर भी प्रकाश डाला।

श्री वीरेन्द्र याज्ञनिक ने कहा कि पत्रिका 'हिन्दी विवेक' की यात्रा गोदावरी से शुरू होकर गंगा विशेषांक के साथ गोमती तक पहुंची है। उन्होंने कहा कि पत्रिका का प्रकाशन राष्ट्रीय चेतना एवं विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए किया गया था।

राज्यपाल ने इस अवसर पर प्रख्यात प्रवचनकर्ता श्री अजय याज्ञनिक, श्री संजय सिंह, श्री पवन पुत्र बादल, श्री प्रदीप गुप्ता सहित अन्य लोगों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में श्री अमोल पेडणेकर ने स्वागत उद्बोधन के साथ पत्रिका का संक्षिप्त परिचय भी दिया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पल्लवी अनवेकर ने किया।

हिंदी
विवेक
प्रकाशित

हिंदी
विवेक
प्रकाशित
समारोह स्थल
राजभवन
लखनऊ
समारोह दिनांक

हिंदी
विवेक
प्रकाशित
समारोह स्थल
राजभवन
लखनऊ

हिंदी
विवेक
प्रकाशित
गंगा विशेषांक
लोकार्पण समारोह
द्वारा
मा. राम नाईक
राज्यपाल - उत्तर प्रदेश
समारोह स्थल
राजभवन
लखनऊ
बुधवार